शिक्षकों की उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड रखने और उपाख्यान लेखन कौशल पर कार्यशाला

Birla Shishu Vihar
(A Birla Education Trust, Pilani Institution)
session on

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। बिरला शिशु विहार में एनईपी - 2020 की सिफारिशों के अनुसार शिक्षकों के बीच उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड रखने और उपाख्यान लेखन कौशल विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रवक्ता डॉ. वीणा मिश्रा, प्रिंसिपल-एन.वी.पी.एस. नई दिल्ली से थी। विद्यालय के प्राचार्य पवन वशिष्ठ द्वारा प्रवक्ता को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बिरला शिक्षण संस्थान के मुख्य वित्त अधिकारी डॉ.जी.एस. गौड़ , कैप्टन (आईएन) आलोकेश सेन, चीफ एग्जीक्यूटिव - बिड़ला पब्लिक स्कूल, पिलानी, डॉ. एम. कस्तूरी, प्राचार्य बिड़ला बालिका विद्यापीठ, धीरेंद्र सिंह प्राचार्य-बिड़ला स्कूल पिलानी आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला की समन्वयक श्रीमति ज्योत्सना शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, कार्यशाला में सभी बी. ई. टी. स्कूलों के शिक्षकगणों ने भाग लिया।

कार्यशाला में प्रवक्ता डॉ. वीणा मिश्रा ने बताया कि उपाख्यानात्मक नोट्स एक शिक्षक की टिप्पणियों के लिखित रिकॉर्ड हैं। उनका उपयोग छात्र उपलब्धि का आकलन करने, कार्य उत्पादों का मूल्यांकन करने या व्यावसायिक विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को मापने के लिए किया जा सकता है। उपाख्यानों की परिभाषा के अनुसार वास्तविक घटनाओं या वास्तविक लोगों के बारे में छोटी, सम्मोहक या मनोरंजक कहानियाँ हैं, जो किसी विषय को अधिक प्रासंगिक और जीवन के प्रति सच्चा बनने में मदद करती हैं। हम अपने दिन के बारे में कहानियाँ साझा करते हैं, अपने जीवन की स्थितियों का वर्णन करते हैं और साझा किए जा सकने वाले क्षणों के माध्यम से दूसरों से जुड़ने का प्रयास करते हैं।

कार्यशाला के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य श्री पवन वशिष्ठ ने प्रवक्ता को समृति चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।